शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से "B++"(2.79) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष - 4 वर्ष -2022 अंक - 6

नैक मूल्यांकन में मिला बी++ ग्रेड

महाविद्यालय का यह सत्र नैक मूल्यांकन का रहा। महाविद्यालय की 5 वर्षों की शैक्षणिक गतिविधियों का मूल्यांकन नैक पियर टीम द्वारा 20 एवं 21 सितम्बर को किया गया। नैक पियर टीम में रमा देवी महिला विश्वविद्यालय भुवनेश्वर की कुलपति डॉ. अपराजिता चौधरी चेयरपर्सन थी। डॉ. लिली भूषण, प्राचार्य, के.ई.एस सराफ महाविद्यालय, कांदीवली वेस्ट मुंबई तथा डॉ. पी. फजुलरहमान, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद सदस्य थे।

लगातार 2 दिन तक पियर टीम ने महाविद्यालय में निरीक्षण कार्य किया जिसमें प्राचार्य एवं आई.क्यू.ए.सी. के प्रस्तुतीकरण तथा विभागों की प्रस्तुति, निरीक्षण, एलुमनी से भेंट, शिक्षक एवं कर्मचारियों से मुलाकात का दौर भी रहा। संध्या छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

नैक की तैयारियों में महाविद्यालय का पूरा परिवार निरंतर लगा रहा जिसका प्रतिफल B++ (2.79 सीजीपीए) के साथ मिला जो एक उपलब्धि है। नैक पियर टीम ने अपने वक्तव्य में महाविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की तथा कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में यह महाविद्यालय अग्रणी है और यहाँ की छात्रायें प्रतिभाशाली है। जिन्होनें न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

सम्पादक : डॉ. ऋचा ठाकुर एवं डॉ. यशेश्वरी ध्रुव

आई.क्यू.ए.सी. का न्यूजलेटर

अपनी बात

दुर्ग संभाग में उच्च शिक्षा के नित नये-आयाम गढ़े गए है। कन्या शिक्षा के क्षेत्र में हमारा महाविद्यालय उत्कृष्ट परीक्षाफल ही नहीं बल्कि - खेलकूद, सांस्कृतिक-साहित्यिक गतिविधियों में भी अग्रणी रहा है। नैक मूल्यांकन में भी यह स्पष्ट परिलक्षित हुआ है। बी++ के साथ महाविद्यालय ने प्रदेश के अन्य महाविद्यालयों के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है।

''कैम्पस न्यूज एक आईना है जो हमारी शैक्षणेत्तर गतिविधियों को प्रदर्शित करती है। हमारा यह मानना है कि जब शिक्षक अभिभावक और विद्यार्थी मिलकर प्रयास करते है। तो सफलता सुनिश्चित रहती है। यह बात इस महाविद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षाफल और उपलब्धियों पर स्पष्ट दिखाई देती है। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिये महाविद्यालय का प्रयास निरंतर जारी है और इसका प्रतिफल हमारी महाविद्यालय की छात्रायें निरंतर सफलता के नये आयाम गढ़ रही हैं।

'कैम्पस न्यूज' की यह अंक हमारी संस्था की प्रगति का ही नहीं हमारी छात्राओं एवं शिक्षकों के संकल्प का लेखा-जोखा है। हमें इस पर गर्व है।

'रजा लय' का कला वीथिका घासीदास संग्रहालय रायपुर में हुआ शुभारंभ

कला वीथिका घासीदास संग्रहालय रायपुर में चित्रकला विभाग शास.डॉ.वा.वा.पा.कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग और रजा फाउंडेशन नई दिल्ली के तत्वाधान में सैय्यद हैदर रजा के चित्रों के प्रिंट्स की प्रदर्शनी एवं चित्रकला कार्यशाला का शुभारंभ पद्मभूषण तीजन बाई के करकमलों से हुआ। यह प्रदर्शनी 7 मार्च से 9 मार्च तक कला प्रेमियों के लिये प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहती है।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष योगेंद्र त्रिपाठी ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित रजा के चित्रों की बारीकियो एवं आयोजन के बारे में बताया । तीजन बाई ने कहा की कला कोई भी हो वह संस्कृति का संरक्षण करती है, और इस तरह के आयोजन इसका प्रमाण है। उन्होंने अपने संस्मरण भी सुनाए।

इस अवसर पर कला प्रेमी और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापक डॉ. डी. सी. अग्रवाल, ऋचा ठाकुर आदि उपस्थितथे। कार्यक्रम का संचालन अनूप रंजन ने किया।

गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने ध्वजारोहण किया। महाविद्यालय में '**आजादी का अमृत महोत्सव**' के अंतर्गत देशभक्ति पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसका अवलोकन प्राध्यापकों, छात्राओं ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में 35 छात्राओं ने भाग लिया जिन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। कु. प्रज्ञा कौशिक एवं किरण सोनबेर के पोस्टर सराहे गये। सभी विजेता प्रतिभगियों को यूथ रेडक्रॉस के द्वारा पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के नैक मूल्यांकन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया।

यूजीसी के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन सूर्य नमस्कार की प्रस्तुति की गयी । कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने किया ।

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग की प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश द्वारा लिखित पुस्तक "NEW NORMAL" (न्यू नॉर्मल) का विमोचन भूतपूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री राजेश चौहान द्वारा किया गया।

डॉ. रेशमा की पुस्तक का विमोचन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री राजेश चौहान द्वारा

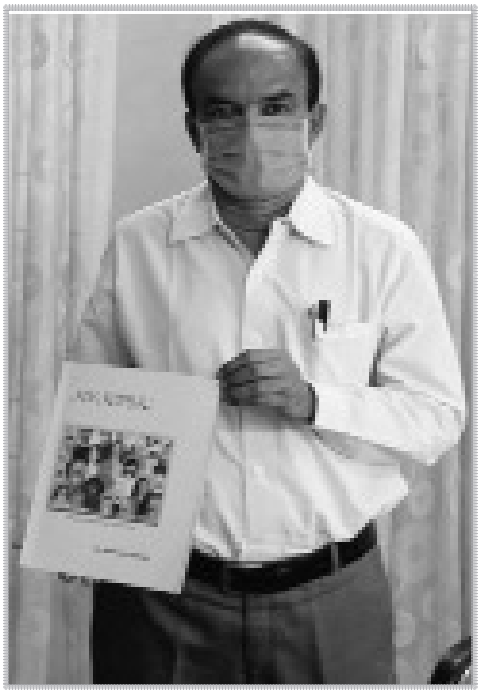

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि उनकी यह पुस्तक कोविड महामारी से लड़ाई में मेरा सहयोग है। मुख्य रूप से यह

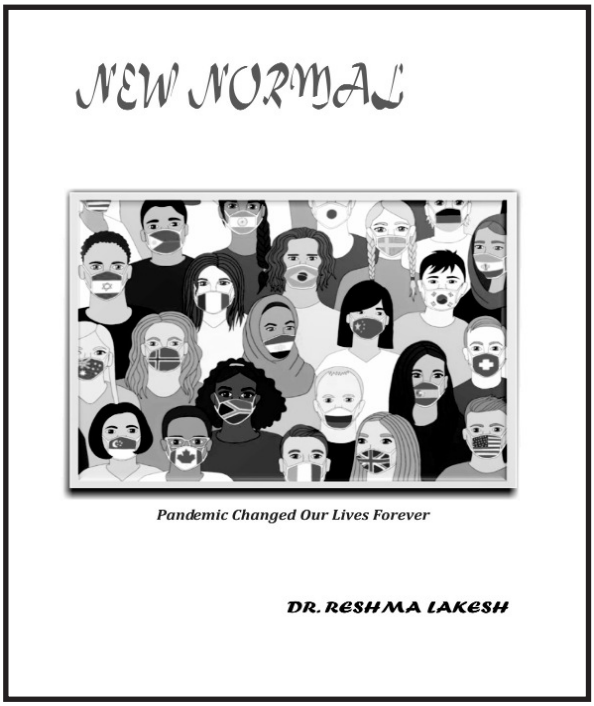

इस पेंडेमिक को ध्यान में रखकर लिखी गई है। इस महामारी के चलते हम सभी की जिंदगी में बहुत से परिवर्तन आये है।

हमारी सोच रहन-सहन एवं खानपान के संबंध में कुछ दिशा-निर्देश देने का प्रयास किया है। श्री राजेश चौहान ने इस अवसर पर शुभमकानाएँ प्रदान की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने पूरे महाविद्यालय परिवार की ओर से इस उल्लेखनीय कार्य हेतु डॉ. रेशमा लाकेश को बधाई दी। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल सहित पूरे विभाग ने शुभकामनाएँ दी।

गौरतलब है कि डॉ. रेशमा लाकेश ने विभिन्न सामाजिक विषयों पर अपनी पुस्तकें लिखी है जैसे - चाइल्ड लेबर, साइकोसोशियो पर्सेपेक्टिव, छत्तीसगढ़ नेचर, अनटच्ड, छत्तीसगढ़ हाइजिंग हॉरिजन, छत्तीसगढ़ ट्राइब आदि।

गर्ल्स कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

स्वास्थ्य जीवन के लिये पर्यावरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह बात हर मनुष्य को समझनी और माननी चाहिये इसी सोचपूर्ण संकल्प मनः स्थिति के साथ शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस का विषय ''जैव विविधता पर आधारित है। महामारी कोविड ने पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान के विनाशकारी परिणामों की पुष्टि की है।

रासेयो की छात्राओं ने इस विषम परिस्थिति में महाविद्यालय आकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया है वह प्रशंसनीय है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि छात्राओं स्वस्थ पर्यावरण बनाये रखने के लिये अपने द्वारा लगाये गये पौधों का स्वयं जतन करने का संकल्प लिया है। जेण्डर चैम्पियन, कैम्पस अम्बेसडर प्रज्ञा मिश्रा ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण ही स्वच्छ जीवन का आधार है। हम युवा स्वयं जागरूक होंगे तो समाज को जागरूक कर सकेंगे। प्राचार्य महोदय, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. अमिता सहगल सहित प्राध्यापकों ने पौधारोपण किया है। इस अवसर पर इको क्लब प्रभारी डॉ. ऊषा चंदेल, एक्वा क्लब प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता, रेडक्रॉस संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश, छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित थे।

रासे यो छात्राओं में शालिनी, पू र्णिमा, सावित्री, अंशु, नम्रता ने प्रमुख भूमिका निभाई। आभार प्रदर्शन डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने व्यक्त किया।

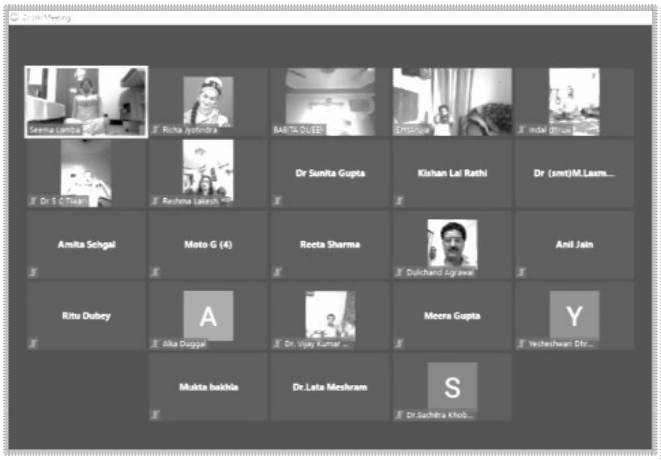

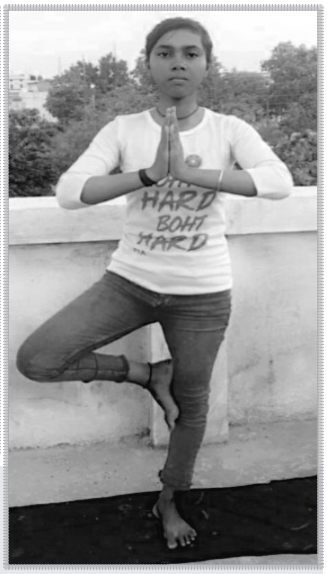

महाविद्यालय में ऑनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय योगदिवस मनाया गया

महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाईन योगाभ्यास कराया गया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि योग एक विज्ञान है। यह मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करता है। कोरेना के कारण लोगों में जो भय व्याप्त है उसे योगाभ्यास से निःसंदेह दूर कर सकते है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि इस वर्ष इस दिवस को वर्चुअल तरीके से मनाया जा रहा है इसके माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ होता हैं । योग प्रशिक्षक श्रीमती सीमा लाम्बा जो कि भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी है, ने अधिक उम्र में की जा सकने वाली योगमुद्राओं की अभ्यास कराया। हड्डियों एवं श्वसन तंत्र को मजबूती प्रदान करने वाले ताड़ासन बताये। भष्तृका प्राणायाम की विशेषतायें बतायी। विश्व योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा आयोजित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यशाला में अपनी भागीदारी दर्ज की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा ऑनलाईन योग क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। इस डिजिटल कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ऋतु दुबे सहित महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति रही।

रेडरिबन क्लब द्वारा ऑनलाईन प्रतियोगिताएं आयोजित

महाविद्यालय के रेडरिबन क्लब के तत्वाधान में एड्स जागरूकता और स्वास्थ्य सुरक्षा पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि एड्स जागरूकता अभियान के लिए महाविद्यालय की इकाई को विगत सत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इस वर्ष यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा बनाई गई शार्ट विडियो फिल्म की सराहना हुई है जिसके लिए कु. सोनम सेन को पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विजयी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण पत्र दिए। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. आंचल कन्नौजे रही, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर ऐनी धृतलहरे एवं श्रेया पाण्डेय रही। पोस्टर प्रतियोगिता में कु. रिया बारले प्रथम कु. रोशनी द्वितीय एवं मनीषा गुप्ता तृतीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में खुशबू कश्यप प्रथम कु. प्रज्ञा मिश्रा द्वितीय एवं कु. गीतांजली साहू तृतीय स्थान पर रही।

जीआईएफ पर कु. निकिता साहू प्रथम, आरती यादव द्वितीय एवं महिमा चटर्जी को तृतीय स्थान मिला। सभी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

विश्व स्तनपान दिवस

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग के द्वारा विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व स्तनपान दिवस 01 अगस्त से 07 अगस्त तक मनाया जा रहा है।

एम.एससी. फूड साईंस एण्ड न्यूट्रीशियन की छात्राओं ने स्तनपान के महत्व विषय पर जानकारी दी। कुमारी अंकिता पसीने, प्रिया चन्देल और प्रतिक्षा टुवानी ने पावर प्वाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा स्तनपान के महत्व के विषय में बताया।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी सर ने इस अवसर पर कहा कि - महिलाओं को जागरूक होना जरूरी है उन्हें स्वयं स्वस्थ रहकर अपनी संतानों को भी स्वस्थ रखने की जिम्मेदारी होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल, गृहविज्ञान ने की एवं छात्राओं को स्तनपान के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश एवं डॉ. ऋचा ठाकुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कुमारी प्रतीक्षा टुवानी तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अल्का दुग्गल ने किया।

जल संरक्षण पर विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित

महाविद्यालय के एक्वा क्लब द्वारा 'जल संरक्षण' के प्रति जागरूकता को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं में अत्यधिक उत्साह दिखायी दिया। संयोजक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि छात्राओं के लिए निबंध लेखन, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता रखी गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि घर पर रहकर अपनी अभिव्यक्ति को उन्होनें नये आयाम प्रदान किये है। स्लोगन प्रतियोगिता में लगभग 30 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम कु. आंचल कन्नौजे, बी.एससी.-3 (बायो), द्वितीय कु. दुर्गा साहू-बी.एसस.-1(गणित) एवं तृतीय कु. नीलिमा सिरमौर-बी.एससी.-3 (बायो) रहीं।

निबंध प्रतियोगिता में अंग्रेजी में लगभग 14 छात्राओं ने हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम भोमिका-बी.एससी-3(गणित), द्वितीय कु. निकता-एम.एससी (रसायन)-1सेम. एवं तृतीय कु. सोनल मेश्राम-बी.एससी.-बायो रहीं तथा हिन्दी निबंध में लगभग 22 छात्राओं में कु. रूपा कौशल-एम.एससी-1 सेम. (रसायन)-प्रथम, द्वितीय कु. मंजू ठाकरे-एम.एससी.-3 सेम.(रसायन) एवं कु. माया सोनी बी.एससी.-3 (बायो) तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार कु. हीनल हरदेल बी.एस.-2 की दिव्यांग छात्रा ने प्रापत किया। पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 60 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम कु. गरिमा देशमुख एम.एससी. (रसायन) -1सेम., द्वितीय कु. प्रिया चंद्राकर बी.एसी.-3(बायो), तृतीय कु. वंदना -बी.एससी-1(बायो) एवं कु. कावेरी बी.एससी-3 (बायो) तथ सांत्वना पुरस्कार - कु. करूण बी.एससी.-3(गणित) एवं कु. कुमकुम साहू-बी.एससी-1 (माइक्रो) ने प्राप्त किया।

इन समस्त प्रतियोगिताओं के लिए डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, श्रीमती साधना पारेख, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

सभी छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किये गये।

गर्ल्स कॉलेज में योग एवं जुम्बा प्रशिक्षण शिविर

महाविद्यालय में क्रीड़ा विभाग द्वारा सात दिवसीय योग एवं जुम्बा प्रशिक्षण कार्यक्रम 'फिट इंडिया मुव्हमेन्ट' के अन्तर्गत आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ फिटनेस की वर्तमान परिस्थिति में बहुत जरूरत है।

शिविर के प्रथम दिवस डॉ. ऋतु दुबे, क्रीड़ाधिकारी ने सहभागी छात्राओं को फिटनेस के आवश्यक व्यायाम एवं उन्हें करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना है तथा किसी भी एक्टिविटी को करने के पहले वार्मअप क्यों जरूरी है सिखाया गया। इसके साथ ही स्ट्रेचिंग एवं कूलडाऊन क्यों जरूरी है पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को अभ्यास कराया गया। डॉ. दुबे ने बताया कि व्यायाम के द्वारा छात्रायें जो कि पीएमएस समस्याओं से परेशान रहती हैं उसे कम कर सकती है एवं व्यायाम करने से हार्मोन्स धीरे-धीरे बैलेन्स होते रहते है। इससे मस्तिष्क भी चुस्त एवं सक्रिय रहता है। योग द्वारा हम मानसिक तनाव से छुटकारा पा सकते है वहीं एकाग्रता बनी रहती है। प्रशिक्षण में ज्वाईन्ट्स को किस तरह फ्री करते है एवं वज्रासन, ताड़ासन, उत्कृष्ट आसन बताया गया। कु. नेहा साहू द्वारा प्राणायाम एवं उसका महत्व छात्राओं को बताया गया। प्राणायाम में श्वास पर किस प्रकार नियन्त्रण करना है। नाड़ी क्या है? संक्षिप्त जानकारी दी गयी तथा जुम्बा से किस प्रकार हम स्वयं को क्रियाशील एवं फिट रख सकते हैं, अपना वजन कम कर सकते है, बताते हुए जुम्बा कराया गया।

योग प्रशिक्षक, विद्या वर्मा, द्वारा सूर्य नमस्कार का महत्व एवं सूर्य नमस्कार में कितने आसन होते है, सूर्य नमस्कार कब करना चाहिये, सूर्य नमस्कार के फायदे क्या है? विस्तार से बताया गया तथा सूर्य नमस्कार को मंत्रो सहित छात्राओं से चरणबद्ध पद्धति से अभ्यास कराया गया तथा ध्यान का महत्व बताते हुए छात्राओं को ध्यान करवाया गया।

रसायन मे पेंटेंट मिला

महाविद्यालय के स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती गुप्ता के उच्च श्रेणी के शोध कार्य के अंतर्गत समुद्रीसिवार के निष्कर्षण पर पेंटेंट स्वीकृत हुआ है। यह जानकारी देते हुए डॉ. आरती गुप्ता ने बताया कि सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. विष्णु किरणमनाम (तमिलनाडु) के निर्देशन में समुद्री सिवार पर शोध कार्य से वे जुड़ी है । उनके कई शोधपत्र अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए है। इस क्रम में समुद्री सिवार निष्कर्षण विधि को पेंटेंट मिला है जो कि उल्लेखनीय है।

समुद्रीसिवार निष्कर्षण महत्वपूर्ण विधि है जो कि समुद्रीसिवार के पोषकतत्वों, फाइटो केमिकल निकालने के काम आती है। इससे प्राप्त रसायन विभिन्न रोगों के ईलाज के लिए उपयोगी है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि समुद्री रसायन में एक 12 सदस्यीय टीम शोधकार्य कर रही है। जिसका वे एक सदस्य है जो उनके लिए गौरव की बात है। महाविद्यालय के शोधकार्य की दिशा में पेटेंट मिलना एक उपलब्धि है। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने डॉ. आरती गुप्ता को बधाई दी है।

कॉलेज में राज्योत्सव मनाया गया

महाविद्यालय में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा छत्तीसगढ़ के विकास पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि रंगोली स्पर्धा में बी.ए. भाग-3 की दामिनी यादव ने प्रथम तथा बी.एससी. भाग-3 की अंजुम शेख द्वितीय, एमएससी प्रथम सेमेस्टर की प्रियंका साकेत तृतीय रही तथा चित्रकला स्पर्धा 'हमर छत्तीसगढ़' में प्रथम स्थान कु. रिया बारले तथा द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः भारती साहू एवं सुचि स्मिता त्रिपाठी ने प्राप्त किया।

एकल छत्तीसगढ़ी गायन स्पर्धा में कु. जागृति सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गरिमा सिंह एवं वंदना देशमुख ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने शमा बांध दिया, पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गीतों-नृत्यों ने खूब तालियाँ बटोरी। समूह नृत्य में अप्सरा समूह ने प्रथम तथा हैप्पी और मृगनयनी समूह ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य स्पर्धा में खुशी बारले ने प्रथम तथा शारदा यादव, रोशनी ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बड़ी संख्या में छात्राओं की भागीदारी ने वार्षिक उत्सव जैसा माहौल बना दिया। प्रतियोगिता में सुआ नृत्य, पारंपारिक दिवाली नृत्य, अरपा पैरी के धार जैसे लोकभावन नृत्यों की धूम रही।

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राएँ व प्राध्यापक उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये जावेंगे।

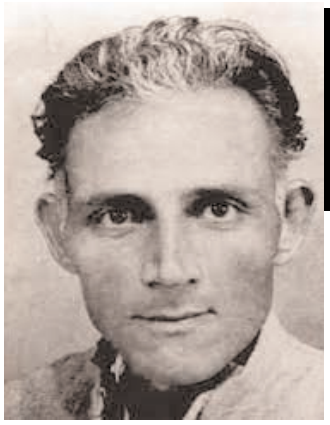

मुक्तिबोध जयंती का आयोजन

मुक्तिबोध नई पीढ़ी के कवि थे

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग के तत्वाधान में साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध की जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुक्तिबोध का रचना-संसार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. निधि ताम्रकार

ने मुक्तिबोध की कविताओं का पाठ करते हुए उनकी रचना-शैली पर प्रकाश डाला। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कु. रानी साहू ने मुक्तिबोध का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी कविताओं का वाचन किया। संस्था के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि- मुक्तिबोध नई पीढ़ी के कवि है। आधुनिक परिवेश में जो मनुष्य में छटपटाहट है, वेदना है उसकी छाप उनकी कविताओं में स्पष्ट परिलक्षित होती है।

मुक्तिबोध अपने विचारों को कविता के माध्यम से व्यक्त करते है। भारत के अनेक विश्वविद्यालयों में मुक्तिबोध के साहित्य पर शोधकार्य किया जा रहा है। संगोष्ठी में प्रो. विकास पंचाक्षरी जी ने बातचीत के माध्यम से मुक्तिबोध पर अपने विचार रखते हुए कहा कि- उनकी कवितायें अनुभूति एवं विचारों से प्रभावित होती है। उन्होनें 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता के माध्यम से अपनी बात प्रस्तुत की और कहा कि मुक्तिबोध महानकवि थे जिन्होनें साहित्य में नए युग का सूत्रपात किया।

डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि - मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' से मैं बहुत प्रभावित हुआ। देश के दो महान चित्रकारों ने उनकी कविता को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया है। सुप्रसिद्ध चित्रकार सैय्यद रजा साहब एवं मकबूल फिदा हुसैन उनकी कविताओं से प्रेम करते थे। जो उनके चित्रों में परिलक्षित होते है।

डॉ. अल्पना त्रिपाठी ने कहा कि मुक्तिबोध मध्यमवर्गीय चेतना के प्रतिनिधि कवि है और रहेंगे, उन्होनें अपने जीवन के अनुभवों, संघर्षों से जिस सामाजिक यथार्थ को देखा और आजीवन उस यथार्थ को अपनी रचना में रूपान्तरित करते रहे। वह सामाजिक यथार्थ आज भी मौजूद है। श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि-मुक्तिबोध ने अपनी खुली आँखों से जीवन और जगत को देखा, भोगा और अनुभव किया। उनकी कविताओं में सामाजिक जीवन की विडम्बनाओं के चित्र है। यह सब उनके अनवरत् अध्ययन, चिंतन, अन्वेषण का परिणाम है इस अवसर पर एम.ए. हिन्दी की छात्राएँ आशा निर्मलकर, ऋतु साहू, लक्ष्मी पाटिल, ने भी उनकी कविता का वाचन किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्याँ में छात्राएँ उपस्थित थी।

महिला दिवस पर आयोजन

महाविद्यालय में महिला दिवस पर विभिन्न आयोजन किए गए। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि सम्मान, समानता और सजगता के प्रति यह आयोजन समर्पित है। नारी सृजन का रूप हैं और संस्कारों की जननी भी है जिससे एक आदर्श समाज की रचना होती है। उन्होनें पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ ही अपनी छात्राओं को सजगता और निर्भयता का भी ज्ञान कराना आवश्यक है जिसे एक संकल्प के रूप में लें। वूमेन सेल की संयोजक डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि पढ़ी-लिखी महिलाएँ तो अपने अधिकारों से परिचित है पर हमें उन महिलाओं तक जानकारियाँ पहुँचानी है जो इन अधिकारों से अनिभिज्ञ हैं। डॉ. आरती गुप्ता एवं डॉ. अनिल जैन, डॉ. अल्पना त्रिपाठी ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ. सुनीता गुप्ता एवं शिशिर दर्शन बघेल ने सुमधुरगीत प्रस्तुत किए। आई.क्यू.ए.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने नारी का महत्व बतलाते हुए इस वर्ष के महिला दिवस की थीम की चर्चा की। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने रासेयो की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वास्थ्य एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारियाँ पहुँचाने के प्रयास पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। अंत में डॉ. लता मेश्राम ने आभार प्रदर्शित किया।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, दो दिवसीय कैम्प

महाविद्यालय में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजनांतर्गत दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की यूथरेड क्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, थॉयराइड, कोलेस्ट्रॉल, सिकलिन आदि का परीक्षण कर डॉक्टरों ने परामर्श दिया और निःशुल्क दवाईयाँ दी गयी। डॉ. संजय सिन्हा, डॉ. चंदन कुमार साव, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव एवं मनीष यादव, कुलेश्वर चन्द्राकर (एपीएम) के साथ ही लैब टेक्नीशियन - रेशमा नर्मलकर, उमेश पाल, नर्स - पूनम साहू, सुषमा वर्मा ने निरंतर स्वास्थ्य शिविर में कार्य किया। फार्मसिस्ट अजय साहू एवं सुनिधि ने औषधि वितरण का कार्य किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महाविद्यालय की छात्राओं के साथ ही प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को भी लाभ प्राप्त हुआ है। यूथ इस विशेष कैम्प का लाभ लगभग 465 छात्राओं ने उठाया। यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

रोजगार के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला

महाविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में रोजगार के अवसर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भिलाई की तेजस आईएएस एकेडमी के विशेषज्ञ श्री विनय सिंह ने कार्यशाला में छात्राओं को रोजगार के वर्तमान में उपलब्ध अवसरें जिसमें बैंकिंग, जी.एस.टी., व्यापाम, एस.एस.सी., तथा रेल्वे के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में प्रारंभिक जानकारी दी तथा परीक्षा की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्स बताये। इस कार्यशाला में छात्राओं ने प्रश्नों के माध्यम से विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि उच्च शिक्षा में उपाधि के साथ-साथ कौशल विकास भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। कॅरियर के अवसर की पहचान हमारी मेहनत व सफलता को सुनिश्चित करती है। बी.कॉम. में रोजगार के अवसर बहुत से है और जिनकी तैयारी के लिए हमें सामान्य गणितीय एवं अंग्रेजी योग्यता की जरूरत है जिसे हम इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से आसान बना सकते है। इस कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में डॉ. के.एल.राठी, डॉ. व्ही.के. वासनिक, कु. नेहा यादव तथा कु. नेतन देशमुख उपस्थित रही। अंत में डॉ. के.एल. राठी ने आभार प्रदर्शित किया।

बैडमिंटन में उपविजेता एवं बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विजेता

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेक्टर स्तरीय महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग उपविजेता रहा।

सेमी फाईनल में महिला महाविद्यालय सेक्टर-9, भिलाई की टीम को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फाईनल मैच शासकीय शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग एवं सेंट थामस महाविद्यालय, भिलाई के मध्य हुआजिसमें सेंट थामस 2-0 से विजेता रही। महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी- कु. रमा दत्ता (कप्तान), कु प्रेरणा पटेल, कु. तनु देवांगन, कु. मिकांक्षी साहू एवं टीम मैनेजर डॉ. ऋतु दुबे थी।

स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय को भिलाई द्वारा आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 48 से 50 किलो वजन समूह में महाविद्यालय की पी. तनुजा प्रथम रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ0 के. एल. राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

कॉलेज में पर्यावरण एवं जल संरक्षण जागरूकता अभियान

महाविद्यालय, में इकोक्लब तथा एक्वा क्लब द्वारा के तत्वाधान में पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। जिनमें पोस्टर, स्लोगन तथा प्राकृतिक अनुपयोगी वस्तुएँ से उपयोगी वस्तुएँ बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ऊषा चंदेल ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग एवं जल संकट पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 45 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रिया बारले रहीं। कु. उमेश्वरी चन्द्राकर तथा उमा साहू क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। शीला जांगड़े एवं चंचल वर्मा को सांत्वना पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। इसी तरह स्लोगन प्रतियोगिता जिसका विषय - अम्ल वर्षा, वन कटाई, जनसंख्या वृद्धि, जल संरक्षण था। जिसमें 50 छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम लाइबा नूर- बी.एससी.-बायो, द्वितीय- निधि ताम्रकार (एम.ए.हिन्दी), निलिमा सिरमौर-एम.एससी-1 सेम वनस्पतिशास्त्र तथा तृतीय स्थान पर आयुषी नायक- बी.एससी.-3 बायो, ज्योतिलता साहू-बी.एससी.-2 गणित तथा सांत्वना पुरस्कार हेतु प्रियंका वर्मा-एम.एससी-3 सेम वनस्पतिशास्त्र, ममता, एम.एससी-3 सेम वनस्पतिशास्त्र को चयनित किया गया।

अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाने की प्रतियोगिता में 19 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें सुमन पटेल-बी.एससी. भाग-2 (माइक्रोबायो) प्रथम स्थान पर एवं द्वितीय-रेणुका साहू, बी.एससी-1 गणित, तृतीय स्थान पर छाया चन्द्राकर-बी.एससी.-3 बायो रहीं। वहीं सांत्वना पुरस्कार नौरीन फातिमा-बी.एससी.1, माइक्रोबायो, एवं कावेरी कुम्भकार-एम.एससी-1 सेम रसायनशास्त्र को मिला। प्रतियोगिताओं में डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. अनुजा चौहान तथा डॉ. वंदना धन्डोरे निर्णायक थे। प्रतियोगिता के संचालन में डॉ. सुनीता गुप्ता ने सहयोग किया।

जैव विविधता पर सात दिवसीय कार्यशाला

महाविद्यालय, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र विभाग के तत्वाधान में जैवविविधता एवं संरक्षण विषय पर सात दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला शास. दिग्विजय स्वशासी स्ना. महा. राजनाँदगाँव एवं भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई। कार्यशाला के संयोजक प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. निसरीन हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में विभिन्न विषय-विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान में जैवविविधता के क्षेत्र में किये जा रहे विश्व-व्यापी प्रयासों पर प्रकाश डाला।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के डॉ. माजिद अली ने वन संरक्षण अधिनियम की जानकारी विस्तृत रूप से छात्राओं को दी। भिलाई महिला महाविद्यालय की डॉ. सोनिया बजाज ने जैव विविधता के महत्वपूर्ण ज्वलन्त बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। जम्मू के प्राध्यापक डॉ. तौसिक हुसैन ने जम्मू क्षेत्र में पाये जाने वाले पौधों की जानकारी दी। जो विभिन्न रोगों के लिये लाभकारी औषधियों की तरह काम आते है। सुप्रसिद्ध फोटोग्राफर प्रणव राय ने जैव विविधता संरक्षण में फोटोग्राफी के महत्व को समझाया। इस कार्यशाला में तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य क्रमशः डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, डॉ. बी.एन. मेश्राम, डॉ. संध्या मदन मोहन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय खिसके, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव एवं डॉ. निसरीन हुसैन ने कार्यशाला के सफल संचालन में योगदान दिया। कार्यशाला के अंत में डॉ. लता मेश्राम ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में तीनों महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के संचालन में श्रीमती प्रीति सिन्हा एवं प्रियंका देवांगन ने सक्रिय भूमिका निभाई।

''तनाव के विज्ञान'' पर कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर प्राणीविज्ञान विभाग के तत्वाधान में ''तनाव के विज्ञान'' पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. निसरीन हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्ट्रेस नाव) का नाम सुनते ही दिमाग में नकारात्मक विचार आते है क्योंकि इसे हमेशा निगेटिव ही माना जाता है। शरीर क्रिया विज्ञान में हम प्राणियों से संबंधित प्राकृतिक घटनाक्रमों का उध्ययन करते है। जिसमें तनाव का प्रभाव वनस्पति एवं प्राणीजगत दोनों में होता है। उन्होनें कार्यशाला के सात दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया उन्होनें अपने उद्बोधन में 'तनाव' के जीवजगत पर पड़ने वाले प्रभावों से बचने एवं सुरक्षित रहने की चर्चा करते हुए कहा कि 'तनाव' का सकारात्मक पहलू यह है कि हम भविष्य में के लिए सचेत और सतर्क हो जाते है। हमारा शरीर भी इसके लिए तैयार हो जाता है।

इस विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए शास. विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग की प्राध्यापक डॉ. मौसमी डे ने 'तनाव' का शरीर विज्ञान विषय पर प्रकाश डाला और इसकी विषेशताएँ एवं वर्गीकरण की सविस्तार व्याख्या की।

शास. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. माजीद अली ने तनाव लेने से होने वाली परेशानियों और इसके दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए इसे दूर करने के उपाय बताए। उन्होनें इसमें ऑक्सीजन की महत्वपूर्ण भूमिका की विस्तार से जानकारी दी।

प्राणीविज्ञान के विषय विशेषज्ञ - डॉ. संजय ठिसके ने तनाव के शरीर विज्ञान के अध्ययन के लिए प्रयुक्त किए जा रहे उपकरणों एवं नई-नई तकनीक के बारे में बताया। उन्होनें रोचक उदाहरण देकर इस पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला का संचालन डॉ. लता मेश्राम ने किया। विभाग के प्राध्यापक श्रीमती प्रीती सिन्हा एवं डॉ. प्रियंका देवांगन ने सक्रिय सहभागिता दी। इस अवसर पर एम.एससी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की छात्राएँ उपस्थित थी। कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए गए। आभार प्रदर्शन डॉ. निसरीन हुसैन ने किया।

महाविद्यालय में नमन श्रद्धांजलि - युग पुरूष पं. बिरजू महाराज

महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा महान कथक नृत्यसम्राट पदमविभूषण पं. बिरजू महाराज के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। गूगल मीट पर रखी गई श्रद्धांजलि के अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि पं. बिरजू महाराज जी वर्तमान समय में सर्वश्रेष्ठ नृत्याचार्य थे, वे पद्मविभूषण, कालिदास सम्मान खैरागढ़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित थे। उन्होनें राजनांदगांव में अनेक कार्यशालाओं में अपनी कला को साझा किया है।

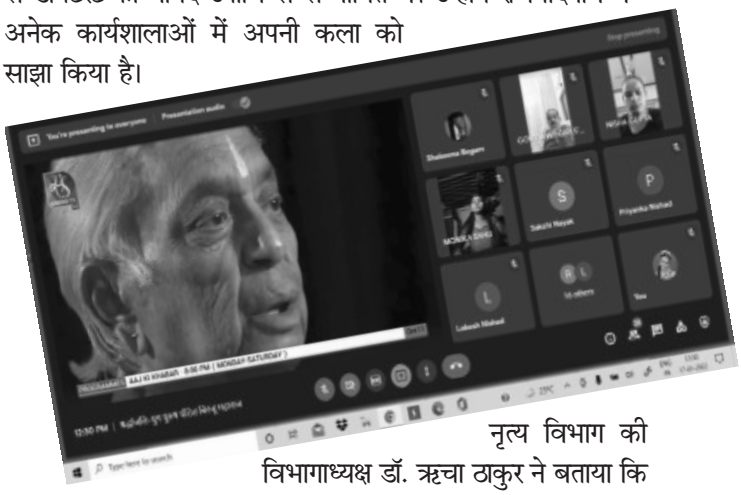

नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि पं. बिरजू महाराज अनेक कलाओं के महारथी थे। लखनऊ घराने की विरासत को बढ़ाने वाले पंडित जी न केवल नर्तक अपितु गायक और वादक के रूप में भी सिद्धहस्त कलाकार थे। इस अवसर पर पं. बिरजू महाराज जी का साक्षात्कार उनकी शिष्या शाश्वती सेन के साथ दिखाया गया।

छात्राओं ने एक साथ प्रणाम मुद्रा बनाकर दिवंगत आत्मा को अपनी भावनायें समर्पित की। महाविद्यालय की पूर्व नृत्य छात्रा एवं इतिहास की सहायक प्राध्यापक शबीना बेगम ने कहा कि कथक नृत्य पर महाराज जी का साक्षात्कार सुनकर उस विधा के प्रति झुकाव बढ़ गया है। विशेषतौर पर उन्होनें पुराने शासकों के दरबार पर किये जाने वाले कथक प्रयोगों का जो वर्णन किया वह इस नृत्य की बानगी को बताता है। बी.ए. अंतिम की शारदा यादव ने कहा कि भविष्य में वे भरत नाट्यम के अतिरिक्त कथक को सीखने की कोशिश करेंगी। युवा पीढ़ी की छात्राओं ने रियेलिटी शो के माध्यम से महाराज को देखा है किन्तु उनकी जीवन यात्रा को इस साक्षात्कार से समझ पाई है।

महाविद्यालय परिवार ने कथक सम्राट पं. बृजमोहन मिश्र को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गर्ल्स कॉलेज में विश्व एड्स दिवस

(रक्षा ही बचाती है जिंदगी)

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस एवं रेड रिबन क्लब के तत्वाधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं आयोजन किए गए।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर महाविद्यालयीन स्तरीय पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। इसमें कु. शबीना बेगम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कु. उमेश्वरी चन्द्राकर तथा कु. उमा साहू रहीं। तृतीय स्थान कु. अंकिता पाली एवं कु. मनीषा घृतलहरे ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर एड्स जागरूकता से संबंधित सचित्र पुस्तिका का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एड्स जागरूकता के कार्यक्रम का मूल उद्देश्य हमें सुरक्षात्मक संदेश को जन-जन तक पहुँचना है। एड्स से बचाव ही इसका कारगार उपचार है। जिला स्वास्थ्य विभाग के श्री हर्ष प्रकाश जमोरिया तथा काउंसलर रानू नायक ने पावर प्वाईन्ट के माध्यम से विभिन्न जानकारी दी। छात्राओं को संबोधित करते हुए सुश्री रानू नायक ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अति आवश्यक है। इसके लिये हमें जागरूकता बढ़ाना चाहिये। श्री हर्षप्रकाश ने छात्राओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का जवाब दिया। रेड रिबन क्लब की सक्रिय छात्रा आरती यादव को विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र दिये गये।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय का रेडरिबन क्लब अपने उत्कृष्ट कार्यों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर भी पुरस्कृत हो चुका है। कार्यक्रम का संचालन तबस्सुम अली एवं प्रगति राजपूत ने किया।

सेक्टर स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता

महाविद्यालय द्वारा सेक्टर स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दुर्ग, बेमेतरा और बालोद जिले के 09 शासकीय महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि यह प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली गई।

प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने किया। इस प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में सेठ ब्रदीनाथ शिक्षा महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. अर्चना उपस्थित थी।

प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाईनल शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग एवं शासकीय महाविद्यालय बेमेतरा के मध्य खेला गया जिसमें 24-07 से कन्या महाविद्यालय विजेता रही। द्वितीय सेमीफाईनल में शासकीय महाविद्यालय भिलाई-03 ने शासकीय महाविद्यालय पाटन को 39-17 से परास्त कर फाईनल में प्रवेश किया।

फाईनल मैच में शासकीय महाविद्यालय भिलाई-03 ने शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग को 30-16 से परास्त कर विजेता होने का गौरव हासिल किया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय की ओर से शिवानी मंडल, संगीता एवं साक्षी गुप्ता ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। वहीं भिलाई तीन की ओर से हिना पात्रों एवं सुलेखा कुमारी ने बहुत अच्छा खेल अपनी टीमा को विजेता बनाया।

प्रतियोगिता के निर्णायकगण - श्री मनोज पाण्डेय, श्रीमती विमला चंदेल, श्री पुलराम देशमुख, कु. नम्रता पटेल थे।

इस अवसर पर श्री दिनेश नामदेव, श्री प्रमोद यादव, श्री जमाले हुसैन, डॉ. अजय लांजीवार, डॉ. नीलेश तिवारी, डॉ. यशवंत देशमुख, श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप टीम मैनेजर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने दिया। प्रतियोगिता के आयोजन में श्री बच्चा वैष्णव, श्री विजय चन्द्राकर एवं विमल यादव ने सक्रिय सहयोग दिया।

रमा दत्ता | पी. तनुजा | मनप्रीत कौर | दिव्य साहू

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं का अंतर विश्वविद्यालयीन टीम में चयन

शासकीय डॉ वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी अंतरविश्वविद्यालयीन खेल प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की टीम की तरफ से खेलते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि - अंतरविश्वविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में महाविद्यालय की कु. रमा दत्ता का ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में चयन हुआ। कु. रमा दत्ता 17 दिसम्बर से 19 दिसंबर तक रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी असम में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इसी तरह महाविद्यालय की बॉक्सिंग खिलाड़ी पी. तनुजा का चयन 48 किलोग्राम समूह में ईस्ट जोन प्रतियोगिता हेतु चयन हुआ है। पी. तनुजा जालंधार में 17 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक आयोजित ईस्ट जोन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

महाविद्यालय की वॉलीबॉल खिलाड़ी छात्रायें कु. मनप्रीत कौर, कु. सुषमा शिखा, दिव्या साहू का चयन विश्वविद्यालय टीम में हुआ है। जो कि 17 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक बालेश्वर, उड़ीसा में आयोजित अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल टीम का नेतृत्व कु. मनप्रीत कौर करेंगी। छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं क्रीड़ा समिति के डॉ. के.एल. राठी, डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने छात्राओं को बधाई दी है।

गणित की खूबसूरती अनंत है : डॉ. पाठक

महाविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सौजन्य से 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के अवसर पर एक सप्ताह तक विविध आयोजन किये जा रहे है। जिसका शुभारंभ भारती विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सुप्रसिद्ध गणित के लेखक एवं विशेषज्ञ डॉ. एच.के. पाठक के द्वारा किया गया। अपने उद्‌बोधन में डॉ. पाठक ने गणित की खूबसूरती पर चर्चा करते हुए कहा कि जिस तरह पाई अनंत तक चलने वाली संख्या है। उसी तरह गणित के क्षेत्र में भी भारतीयों का योगदान भी अनंत है। संख्या को अक्षरों स्वर और व्यंजनों की सहायता से लिखना तथा विभिन्न प्राचीन पद्धतियों में ज्यामिति आकृति के महत्व को हम अच्छी तरह जानते है।

विश्व को गणित की प्रत्येक विद्या में योगदान देने के लिए भारत का कोई मुकाबला नहीं है। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर श्रीनिवास रामानुजन को हम याद कर प्रतिभाओं का सम्मान करते है। उन्होनें विभिन्न गणित के सिद्धांतों को रोचक शैली में उदाहरणों के द्वारा बताया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान के माध्यम से हम छात्राओं की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास करते हैं। गणित के क्षेत्र में किये जा रहे शोधकार्यों एवं इसकी जागरूकता बढ़ाने परिषद के प्रयास प्रसंशनीय है।

विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. अनुजा चौहान ने संचालन करते हुए राष्ट्रीय गणित दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा आयोजित होने वाली विभिन्न स्पर्धाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में आई.क्यू.ए.सी. संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने भी विद्यार्थियों की उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित थी। प्रारंभ में स्वागत गीत एवं राजगीत की प्रस्तुति एम.एससी. की छात्राओं ने दी। गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. शंकर वैद्य, पूजा यादव, प्राक्षी नायक ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता दी। आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान किया।

महाविद्यालय में कार्यशाला – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल कैसे हों

कॅरियर प्लेसमेन्ट सेल के द्वारा विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं में कैसे सफलता प्राप्त करें। इस संबंध में विशेषज्ञों द्वारा महत्पूर्ण जानकारी दी गई। कॅरियर प्लेसमेन्ट सेल की प्रभारी प्राध्यापक डॉ. निसरीन हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों को कॅरियर के चुनाव में किस तरह सावधानी एवं तैयारी करना है। इसके लिए परिषद द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहें है।

विज्ञान के विद्यार्थियों के लिये आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विषय-विशेषज्ञ श्री विनय सिंह के द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये गणित एवं अंग्रेजी के प्रारंभिक ज्ञान पर आधारित पावर प्वाईन्ट के माध्यम से रोचक जानकारी दी गई। प्राचार्य ने कहा कि लगन और परिश्रम से ही मंजिल प्राप्त होती है। सामान्य ज्ञान की तैयारी के लिये नियमित रूप से समाचार पत्रों का पढ़ना और विभिन्न गणितीय एवं भाषायी प्रश्नों के अभ्यास से सफलता सुनिश्चित हो जाती है। कार्यशाला में कु. लाईबा नूर, मेघा चन्द्राकर, नम्रता चन्द्राकर एवं गरिमा देवांगन ने इन परीक्षाओं के संबंध में प्रश्न पूछे। कार्यशाला में डॉ. निसरीन हुसैन ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये जारी विज्ञापनों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को सतत् रूप से अपडेट रहने को कहा। कॅरियर प्लेसमेन्ट सेल की डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. अनुजा चौहान ने भी सहभागिता दी। कार्यशाला में आभार प्रदर्शन सुमेधा बनर्जी ने किया। इस कार्यशाला विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुये।

कम्प्यूटर सिक्यूरिटी पर अतिथि व्याख्यान

महाविद्यालय के कम्प्यूटर साईंस विभाग के तत्वाधान में कम्प्यूटर सिक्यूरिटी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर साईंस की व्याख्याता श्रीमती नीकू साहू ने बताया कि इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता ज्ञानम टेक इंस्टीट्यूट के श्री ओजत सिंग थे। उन्होनें छात्राओं को कम्प्यूटर सिक्यूरिटी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पासवर्ड सेट करते समय जन्मतिथि और नाम जैसे कॉमन चीजों का उपयोग ना करे और समय-समय पर पासवर्ड बदलते रहे। पर्सनल कम्प्यूटर जिसमें आपकी सारी इन्फॉरमेशन रहती है जैसे- फोटो, विडियो व अन्य प्रकार की फाईल्स उनकी सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है नही तो इनका दुरूपयोग हो सकता है। आजकल हर कोई इंटरनेट का उपयोग कर रहा है। ऐसी स्थिति में आपके घरों में रखे पर्सनल कम्प्यूटर भी सुरक्षित नहीं है। उन पर भी हैकर्स की नजर है। वह कभी भी आपके कम्प्यूटर पर हमला कर आपकी पर्सनल इन्फॉरमेशन को चुरा सकते है। आप कुछ टिप्स अपनाकर अपने कम्प्यूटर को सुरक्षित बना सकते है। इस अवसर पर उन्होनें सुरक्षात्मक उपायों के संबंध में जानकारी दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि इंटरनेट के द्वारा होने वाले अपराधों से हमें सतर्क रहना है। इसके लिए बतायी गयी जानकारियों का पालन करना आवश्यक है। कम्प्यूटर साईंस विभाग की प्रभारी डॉ. अनुजा चौहान ने बताया कि इंटरनेट का उपयोग करने वाले एप्प उपयोगी है परन्तु उपयोग के साथ सुरक्षा का भी ध्यान रखे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्रीमती मीनाक्षी सिंह ने किया।

कॉलेज में ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ

महाविद्यालय में रोजगारोपयोगी ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स की प्रथम बैच की छात्राओं को प्रमाण-पत्र दिए गए। विश्वप्रसिद्ध आई.बी.एम. के साथ महाविद्यालय ने एमओयू किया है जिसके तहत विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स जैसे ''कम्यूनिकेशन स्कील, सॉफ्ट स्कील, आर्टिफिशियल इंटिलीजेंस, मॉस कम्यूनिकेशन, लैंग्वेज, मीडिया के क्षेत्र में पाठ्यक्रम उपलब्ध है। पहले सत्र में 750 छात्राओं ने इस ऑनलाईन कोर्स को पूर्ण किया। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि वर्तमान परिवेश में डिजिटल लर्निंग की मांग बढ़ी है। पढ़ाई के साथ-साथ कॅरियर में इसका महत्व बढ़ा है। महाविद्यालय ने आईबीएम की सहयोगी संस्था टर्निंग पाईंट के द्वारा विभिन्न रोजगारोपयोगी पाठ्यक्रम छात्राओं को उपलब्ध कराए है। ये पूर्णतः निःशुल्क है। ऑनलाईन पढ़ाई के साथ इसकी परीक्षा ली गई और आज एक कार्यक्रम में छात्राओं को प्रमाणपत्र दिए गए। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में टर्निंग पाईंट, मुम्बई के डायरेक्टर जयंत सिंह उपस्थित थे। उन्होनें बड़ी संख्या में छात्राओं की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि आईबीएम ने छत्तीसगढ़ में निःशुल्क सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध कराए है जिनसे कौशल विकास के मार्ग प्रशस्त होते है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि उच्च शिक्षा में कौशल-विकास की महती भूमिका है। डिग्री के साथ ही एड ऑन कोर्स भी करना आवश्यक है। आई.बी.एम. स्कील बिल्ड जैसी विश्व प्रसिद्ध कंपनी के साथ महाविद्यालय द्वारा रोजगारोपयोगी ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए गए है जो छात्राओं के लिए लाभकारी है। कार्यक्रम का संचालन कु. तब्बसुम ने किया। सभी प्रतिभागी छात्राओं को कंपनी की ओर से सर्टिफिकेट दिए गए।

मतदाता जाघरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की कैम्पस ऐम्बेसडर कु. प्रेरणा शर्मा, कु. बुसरा नाज तथा कु. डिम्पल गोस्वामी ने महाविद्यालय की छात्राओं को वोटर हेल्पलाईन एप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ना सिखाया।

स्वीप प्रभारी, डॉ. विजय कुमार वासनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने तथा निर्वाचन संबंधी सभी प्रक्रियाओं से अवगत कराने विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। इसके अंतर्गत पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय दुर्ग के द्वारा ये प्रतियोगितायें विभिन्न स्तरों पर आयोजित की गई। महाविद्यालय, जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु. प्रेरणा शर्मा ने सहभागिता देते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं संभाग स्तर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर रहीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कु. प्रेरणा शर्मा को इस सफलता के लिए बधाई दी है। महाविद्यालय में वोटर हेल्प लाईन एप के माध्यम से निर्वाचक नामावली में नाम जोड़वाने की जानकारी विद्यार्थियों को दी जा रही है। पोस्टर प्रतियोगिता हेतु बड़ी संख्या में छात्राओं ने मतदाता जागरूकता संबंधी पोस्टर प्रस्तुत किये हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वीप प्रभारी डॉ. विजय वासनिक ने किया।

गर्ल्स कॉलेज में टीका लगाने जागरूकता अभियान

ग्राम-कोलिहापुरी में एकदिवसीय शिविर

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में एक दिवसीय विशेष शिविर गोद ग्राम कोलिहापुरी में लगाया गया। इस शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ब्लू ब्रिगेड की छात्राओं ने कोरोना वैक्सिन के प्रचार-प्रसार, कोरोना जागरूकता, स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। कोलिहापुरी के प्राथमिक एवं माध्यमिक पाठशाला में छात्र-छात्राओं को मॉस्क लगाने, भीड़ से बचने, सेनेटाइजर के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। स्वच्छता के अन्तर्गत अच्छी तरह से हाथ धोने, प्रतिदिन स्नान करने, स्वच्छ कपड़े पहनने का सुझाव दिया गया। छात्राओं द्वारा सामान्य ज्ञान एवं विषय से संबंधित अध्यापन कार्य किया गया। स्कूली छात्राओं को गुड टच एवं बेड टच के जानकारी भी प्रदान की गई। ग्रामीणों को घर-घर जाकर कोरोना जागरूकता के अन्तर्गत वैक्सिन लगाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। मतदाता जागरूकता के अन्तर्गत अपने मत का सही उपयोग करने, सही प्रतिनिधि चुनने, जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत ग्रामीणों को गली-गली में लगे नलों के आसपास एवं घर के आसपास की सफाई के लिए जागरूक किया तथा उन्हें गंदगी से होने वाली बीमारियों की जानकारी देते हुए उससे बचने के उपाय बताये। ग्राम के सरपंच श्री ज्वाला-प्रसाद देशमुख प्राथमिक शाला की प्रधानपाठिका-श्रीमती राखी गुप्ता, माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक श्री रामकुमार वर्मा का विशेष योगदान रहा। श्री विमल यादव, श्री विजय चन्द्राकर, कु. खेमलता, कु. पूजा कु. श्वेता साहू, कु. नम्रता बंजारे, कु. अंशु के सहयोग से एक दिवसीय शिविर सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

रासेयो शिविर में मेगा हेल्थ कैम्प आयोजित

महाविद्यालय की रासेयो इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर का का आयोजन ग्राम कोलिहापुरी में आयोजित किया गया। जिसके समापन समारोह पर मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच श्री ज्वाला प्रसाद देशमुख उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रधानपाठक श्री आर.के.वर्मा, श्री हरिश कुमार साहू, श्री मुनेश कुमार साहू, श्री योगराज देशलहरे, उपस्थित थे।

इस अवसर पर ओम सत्य जन विकास समिति द्वारा मेगा हेल्थ स्वास्थ्य शिवर को आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. मानसी गुलाटी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. अरूण सिंह नेत्र विशेषज्ञ, रक्त परीक्षण के लिए श्री वेदनारायण उपस्थित थे। उनके द्वारा ग्रामवासियों एवं छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सरपंच महोदय ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा, अंधविश्वास के संबंध में जागरूकता आयेगी। रैली के माध्यम से छात्राओं ने जो संदेश दिया है वो सदैव ग्रामीणों को याद रहेगा। प्रधानपाठक ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यहाँ जितनी भी गतिविधियाँ हुई है उसके माध्यम से विद्यालय के बच्चों को भी बहुत कुछ सीखने मिला है। उनकी प्रतिभा को उभारने की बहुत कोशिश की गयी है। सात दिवसीय विशेष शिविर में बौद्धिक परिचर्चा में श्री बालकृष्ण कुर्रे, रिवाईव जीम द्वारा महिलाओं के शारीरिक फिटनेस हेतु जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया। कामधेनु विश्वविद्यालय के चिकित्सकों डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. मनोज सैनी, कु. शिवानी झाप, मुग्धजीत कौर ने पशुधन के टीकाकरण और उनके खानपान, रखरखाव के संबंध में प्रकाश डाला।

उद्योग विभाग से उपस्थित प्रबंधक श्री नरेन्द्र देवांगन जी ने राज्यस्तरीय और केन्द्रीय योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि आज के समय में स्वरोजगार के बहुत से अवसर है। हमें जागृत रहने की आवश्यकता है। प्रधानपाठक श्री आर.के. वर्मा ने 'गोदना संस्कृति' पर प्रोजेक्टर के माध्यम से गोदना कला की उत्पत्ति और समाज में उसके महत्व के बारे में बताया। अंतर्राष्ट्रीय कराते पदक विजेता कु. श्वेता ध्रुव ने शारीरिक दक्षता एवं आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण छात्राओं को दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की पुरस्कृत स्वयं सेविका कु. प्रज्ञा मिश्रा ने सी-प्रमाण पत्र की जानकारी दी। रासेयो की पूर्व छात्रा कु. रूचि शर्मा ने डिप्रेशन एवं तनाव पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने बताया कि प्रतिदिन योगा, पीटी जागरूकता रैली सर्वेक्षण के अंतर्गत मोतियाबिंद, कुष्ठ रोग, पर्यावरण जागरूकता, टीकाकरण, वैक्सीनेशन, स्वच्छता जागरूकता का कार्यक्रम किया गया। श्रमदान के अंतर्गत पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, तालाब, जल स्त्रोतों स्कूल परिसर की साफ-सफाई की गयी।

विशेष कार्यक्रम के अवसर पर रात्रि में सरपंच के मुख्य आतिथ्य में ग्रामीण बच्चों के रंगोली, पेंटिंग, डांस, कबड्डी, खो-खो, फुग़डी आदि प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कृत किया गया। ग्राम के बुजुर्गों, महिलाओं को सम्मनित किया गया। सांई प्रसादालय दुर्ग एवं आदिवासी छात्रावास की अधीक्षिक श्रीमती अंजली बांधे द्वारा जरूरतमंदों को कम्बल प्रदान किया गया।

समापन समारेह के अवसर पर ओम सत्यम जनविकास समिति के अध्यक्ष श्री सीताराम ठाकुर, श्री दिलीप ठाकुर एवं उनकी टीम को निःशुल्क चिकित्सा हेतु सम्मानित किया गया। प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक, पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक एवं सरपंच को स्मृति चिन्ह देकर उनके विशेष सहयोग के लिए सम्मनित किया गया। रासेयो दुर्ग जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा, डॉ. राजश्री शर्मा श्री विमल (सांई महाविद्यालय भिलाई) ने रासेयो की छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी समय-समय पर आकर छात्राओं का मार्गदर्शन किया। पूजा चेलक, श्वेता साहू, हर्षिता, जीत कौर, अलिशा, विमल, विजय का शिविर में विशेष योगदान रहा। सम्मानित प्राचार्य महोदय एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के विशेष मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शिविर सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

कॉलेज की छात्राओं ने लहराया परचम

महाविद्यालय की छात्राओं ने विश्वविद्यालयीन एवं सेक्टर स्तरीय भारोतोलन एवं शक्तीतोलन तथा तैराकी स्पर्धा में अपना परचम लहराया। महाविद्यालय की क्रीड़धिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि - शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में आयोजित अन्तर्महाविद्यालयीन भारोतोलन प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु. आकांक्षा साहू ने 57 किलोग्राम समूह में कुल 229 किलोग्राम वजन उठा के शक्तितोलन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं इन्होनें भारोतोलन 55 किलोग्राम समूह में 89 किलोग्राम वजन उठा के तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की अमृता कोराम ने 47 किलोग्राम समूह में 198 किलोग्राम वजन उठा के शक्तितोलन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी तरह अंतरमहाविद्यालयीन तैराकी प्रतियोगिता जिसका आयोजन श्री शंकराचार्य महाविद्यालय द्वारा किया गया उसमें महाविद्यालय की छाया चन्द्राकर ने बेस्ट स्ट्रोक 50 मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनायें दी।

युवा दिवस मनाया गया

महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यूथ रेडक्रास इकाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न आयोजन किए गये। महाविद्यालय परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने स्वामी जी के प्रसंगों की चर्चा करते

हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने एवं संघर्ष से सफलता प्राप्त करने को महत्वपूर्ण बताया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी. सी. अग्रवाल एवं डॉ. ऋचा ठाकुर ने भी विद्यार्थियों

को प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। यूथ रेडक्रास के द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया तथा प्रदर्शनी लगाई गई। डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि यूथ रेडक्रास ने स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को युवा सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा हे। जिसके विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. प्रज्ञा कौशिक, द्वितीय स्थान पर कु. किरण सोनबेर, कु. उमा साहू तथा तृतीय स्थान पर शिलमन ठाकुर ए कु. करूणा मारकण्डे रहीं। इन्हें पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन अतिथियों ने किया।

नृत्यांजली सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ

महाविद्यालय 'नृत्य विभाग के द्वारा नृत्यांजली सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया गया है। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया की वैल्यु एडेड कोर्स के अंतर्गत महाविद्यालय में छात्राओं की रुचि को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए गए है। महाविद्यालय के नृत्य विभाग में स्नातक स्तर पर कला संकाय में 'भरतनाट्यम' विषय संचालित है। विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की बहुत सी छात्राएं नृत्य-संगीत में रुचि रखती है जिनके लिए यह सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया जा रहा है। 30 घंटे के इस कोर्स के अंतर्गत फंडामेंटल ऑफ क्लासिकल डांस भारतनाट्यम तथा बेसिक डांस थ्योरी की पढ़ाई होगी। जिससे छात्राएं नृत्य विधा का प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। इस सर्टिफिकेट कोर्स की पहली बैच 27 जनवरी से 10 फरवरी तक चलेगी जिसका पंजीयन शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग की मंशा के अनुरुप विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगारोपयोगी पाठ्यक्रमों से जोड़ने विभिन्न वैल्यु एडेड कोर्स प्रारंभ किए जा रहे है। 30 घंटे के इन सर्टिफिकेट कोर्स में विद्यार्थी विषय वस्तु की प्रारंभिक एवं उच्च स्तर की जानकारी प्राप्त कर सकेगें जो भविष्य में उन्हे रोजगार दिलाने सहायक होगी।

महाविद्यालय में गृहविज्ञान विभाग में भी इस तरह के कोर्स प्रारंभ किए गए है वर्तमान में ये सर्टिफिकेट कोर्स ऑनलाईन प्रारंभ हो रहे है जो बाद में परिस्थितियों के अनुसार भौतिक उपस्थिति के साथ चलेगें। इस सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षा के उपरांत विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र दिए जावेगें। महाविद्यालय में छात्राओं के मध्य इन वैल्यू एडेड कोर्स को लेकर अच्छा खासा उत्साह है।

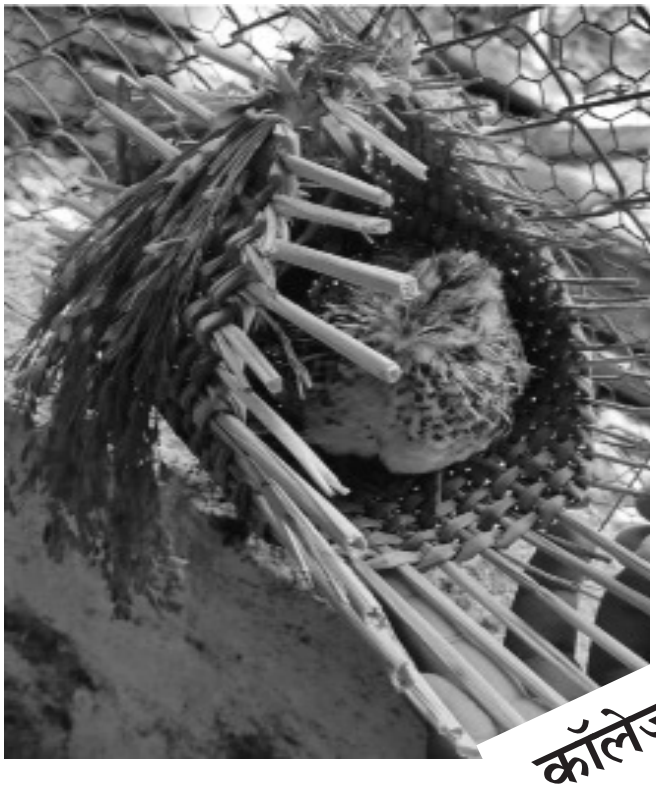

कॉलेज की छात्राओं का अभियान ''एक घर मेरी चिया के नाम''

गर्मी में एक ओर हम सभी परेशान रहते हैं वही इस भीषण गर्मी में पंछियों को दाना और पानी के लिए तरसते देखा गया है। घोंसले के लिए तो कभी पानी के लिए पंछियों को संघर्ष करते देखते हैं।

कोविड-19 के लॉकडाऊन अवधि में शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राएँ रचनात्मक कार्यों में संलग्न है चाहे वो 'राष्ट्रीय सेवा योजना' हो या 'यूथ रेडक्रॉस' की गतिविधियों/पर्यावरण के लिए 'ग्रीन आर्मी' हो या जल संरक्षण के लिए 'एक्वा क्लब' हो।

प्राणीशास्त्र विभाग की एम.एससी की छात्राओं ने चिड़ियों के लिए एक अभियान शुरू किया है 'एक घर मेरी चिया के नाम'। इन छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर एवं अपने निवास के आस-पास पेड़ों पर घोसले बनाकर रखें है और सकोरे में दाना-पानी की व्यवस्था की है। छात्राओं के इस समूह ने 5-5 घोसले बनाने का संकल्प लिया है। उनके इस कार्य में प्राणीशास्त्र की विभाग प्रमुख डॉ. निसरीन हुसैन का मार्गदर्शन मिलता है।

जिन छात्राओं ने इस अभियान को सफल बनाया है उसमें एम.एससी प्रथम सेमेस्टर की ज्योति, मेघा, मोनिका, गरीमा, पायल, नेहा, सुमेधा, नम्रता, उकेश्वरी तथा विद्या है। एम.एससी तृतीय सेमेस्टर की नागेश्वरी, ममता, चांदनी, निम्मी, नोविता, रोशनी, टिलेश्वरी, कविता, झमित और फकिरिन है। छात्राओं के इस सराहनीय प्रयास की तारीफ नागरिक भी कर रहे है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं के इस कार्य की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस मौसम में पक्षियों को मदद की आवश्यकता होती है। हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण अंग है ये पंछी। महाविद्यालय का 'एनिमल्स केयर एवं बिहेवियर क्लब' सक्रिय कार्य कर रहा है जो प्रसंशनीय है।

कॉलेज का 'स्टार कॉलेज योजना में चयन'

शा. डॉ. वामन वासुदेव पाटनकर कन्या स्नातकोत्तार महाविद्यालय दुर्ग की उपलब्धियों में एक बार फिर महत्वपूर्ण मुकाम हासिल हुआ जब भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बॉयोटेक्नालॉजी विभाग की 'स्टार कॉलेज योजना' में चयन हुआ। भारत सरकार की स्टार कॉलेज योजना में देश में स्नातक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के उन्नयन के लिए महाविद्यालयों का चयन करके अनुदान दिया जाता है। जिससे वे महाविद्यालय प्रयोगशालाओं का उन्नयन कर सकें। नये आधुनिकतम उपकरण क्रय कर सके। विद्यार्थियों को विज्ञान के नये-नये प्रयोग कराने के लिए केवल प्रयोगशालाओं को ही अपग्रेड नहीं किया जाता है बल्कि विद्यार्थियों को विभिन्न उच्चतर संस्थानों में ले जाकर ट्रेनिंग देना तथा शोधकार्य के लिए प्रेरित करना भी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों से 'स्टार कॉलेज योजना' के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इसमें प्राप्त प्रस्तावों से देश के विभिन्न 17 महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों का चयन किया गया। विशेषज्ञों की चयन समिति द्वारा वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के आधार पर महाविद्यालयों का अनुदान हेतु अंतिम चयन किया गया।

इस योजना में प्रदेश से इसी महाविद्यालय का चयन किया गया है। मंत्रालय द्वारा तीन वर्ष तक महाविद्यालय के भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, माइक्रोबायौलॉजी एवं प्राणीशास्त्र विभाग को उपकरण, पुस्तकें, जर्नल्स, फैकल्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम, कार्यशाला हेतु अनुदान दिया जावेगा। डॉ. तिवारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देना है जिससे वे आगे शोध के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकें। इस स्टार कॉलेज योजना में चयन पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष व्याप्त है। ''विज्ञान संकाय के उन्नयन से जहाँ छात्राओं को लाभ होगा वहीं शिक्षकों को भी ट्रेनिंग के माध्यम से अपडेट होने का अवसर मिलेगा। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अनिल जैन ने विज्ञान संकाय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी है।

सेक्टर स्तरीय महिला व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय दुर्ग विजेता

महाविद्यालय द्वारा सेक्टर स्तरीय महिला व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन द्वितीय सेमीफाईनल मैच स्वामी स्वरूपानन्द महाविद्यालय और सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय दुर्ग के मध्य खेला गया। जिसमें स्वामी स्वरूपानन्द महाविद्यालय 25-8, 25-9 से विजेता रहा। फाईनल मैंच शास. डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं स्वामी स्वरूपानन्द महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग ने 3-2 से विजयी रहा। फाइनल मैच बहुत ही संघर्षपूर्ण रहा पर कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के खिलाड़ियों ने मैच की दिशा बदल दी और 27-29, 25-21, 25-22, 16-25, 25-10 से विजेता रही।

निर्णायक के रूप में श्री मधुकर, ओमप्रकाश, श्री कुणाल राव, पी.विशाखा, श्री ओ.पी. सिंह, श्री गावेश थे। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण हेमंचद विश्वविद्यालय दुर्ग के खेल संचालक डॉ. ललित वर्मा के आथित्य में किया गया। अवसर पर श्री यशवंत देशुख, श्री एम.एम. तिवारी, श्री लक्ष्मणेन्द्र कुलदीप, नेहा यादव उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे थी। विजेता टीम में दिव्या साहू, मनप्रीत कौर, कविता बाग, साक्षी कोसरे, रीना, रीतिका सुषमा शिखा ने की। टीम व्यवस्थापक सुश्री नेहा यादव एवं प्रशिक्षक मनीषा खरे रही। बगा वैष्णव, विमल यादव एवं श्री विजय चन्द्राकर ने अपना सहयोग दिया।

गर्ल्स कॉलेज में नैक मूल्यांकन कार्यशाला आयोजित

मिशन मोड पर चलाये जा रहे मूल्यांकन एवं प्रत्यायन अभियान के अंतर्गत दुर्ग संभाग के शासकीय महाविद्यालयों में नैक द्वारा मूल्यांकन की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही है। इसी तारतम्य में संभाग के नैक मूल्यांकन की पात्रता रखने वाले शासकीय महाविद्यालयों की समीक्षा एवं तैयारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में किया गया। दुर्ग संभाग के उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अपर संचालक डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल के निर्देशानुसार प्रदेश के महाविद्यालयों में नैक मूल्यांकन मिशन मोड पर कराने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था बनाने अभियान चलाया जा रहा है। संभाग के कबीरधाम, बेमेतरा एवं दुर्ग के नैक पात्रता रखने वाले महाविद्यालयों की कार्यशाला आज आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य तथा आई.क्यू.ए.सी. (महाविद्यालय की गुणवत्ता प्रकोष्ठ) के प्रभारी शामिल हुए।

कार्यशाला में राज्य गुणवत्ता प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. जी.ए. घनश्याम तथा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव डॉ. सी.एल. देवांगन एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्धकी ने समीक्षा कार्यशाला में दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राज्य में नैक मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय एवं जिला स्तर पर समितियाँ गठित की गयी है जो निरंतर महाविद्यालय के मूल्यांकन हेतु आवश्यक सभी निर्देश बिन्दुओं की समीक्षा कर महाविद्यालय की जानकारी राज्य स्तर पर गठित प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराती है। कार्यशाला में कबीरधाम जिले के बोड़ला, सहपुर लोहारा, पण्डरिया तथा बेमेतरा जिले के थानखम्हरिया, कन्या महाविद्यालय बेमेतरा, नवागढ़, बेरला, साजा एवं दुर्ग जिले के नंदनी अहिवारा, खुर्सीपार के शासकीय महाविद्यालय की तैयारियों की समीक्षा की गयी।

विगत 23 जुलाई को राजनांदगांव में बालोद एवं राजनांदगांव जिले के 18 महाविद्यालयों की कार्यशाला शास. दिग्विजय महाविद्यालय में आयोजित की गयी। राज्य गुणवत्ता प्रकोष्ठ के डॉ. जी.ए. घनश्याम एवं अपर संचालक डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बिन्दुवार सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला स्तरीय समिति की डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. सोमाली गुप्ता, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

विश्वविद्यालय की फुटबॉल टीम में गर्ल्स कॉलेज की 12 छात्रायें

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की फुटबॉल टीम का विगत दिनों चयन किया गया। यह टीम अंतर विश्वविद्यालीन ईस्ट जोन महिला फुटबॉल स्पर्धा में हिस्सा लेने भुवनेश्वर जायेगी।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की इस टीम में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की 12 छात्राओं का चयन किया गया है। जिसमें- सुमन यादव, नंदनी निर्मलकर, हिना निर्मलकर, योगेश्वरी, लक्ष्मी यादव, शुभि सुब्बा, उर्मिला, दामिनी हरपाल चयनित हुई है। टीम की कप्तान नंदनी निर्मलकार है। यह टीम भुवनेश्वर के कलिंगा विश्वविद्यालय में 13 से 15 दिसम्बर तक आयोजित अंतरविश्वविद्यालयीन ईस्ट जोन स्पर्धा में भाग लेगी। टीम की मैनेजर एवं कोच डॉ. ऋतु दुबे है।

गणित का कौशल विकास में महत्वपूर्ण स्थान

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वाधान में राष्ट्रीय गणित दिवस पर सप्ताह भर विभिन्न आयोजन किए गए। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुजा चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व धरोहर डॉ. श्रीनिवास रामानुजन के जन्मतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान, प्रश्नमंच, पावर प्वाईन्ट प्रजेन्टेशन स्पर्धा, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त छात्राओं को नगद पुरस्कार दिए गए। पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरुणा पलटा थी। अपने उद्‌बोधन में उन्होनें कहा कि गणित का हमारे दैनिक जीवन में बहुत ही महत्व है। इसके बिना सामान्य जीवन की गतिविधियाँ शून्य हो जायेंगी। उन्होनें अपने परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि मेरे परिवार के सभी सदस्य गणित विषय को लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त की है। जबकि मैनें गृहविज्ञान विषय लिया है। मुझे विरासत में गणित का ज्ञान प्राप्त हुआ। जिसके कारण बहुत सी समस्याओं को हल करने में मुझे सफलता मिलती है। जीवनचक्र में टाईम-मैनेजमेन्ट का महत्वपूर्ण स्थान है। जो हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने मदद करता है। उन्होनें छात्राओं की प्रस्तुतियों को सराहा और इस अवसर पर उन्हें पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि कौशल विकास में गणित का महत्वपूर्ण स्थान है। विभिन्न माध्यमों से गणित ने अपनी जगह बनाई है। गणित में अनुसंधान के क्षेत्र में भारत की पूरे विश्व में अपनी विशिष्टता है। श्रीनिवास रामानुजम, आर्यभट्ट ने गणित के सिद्धान्तों को स्थापित किया है जो आज विश्व की धरोहर है।

निवेदिता वायुसेना में चयनित

महाविद्यालय की नियमित छात्रा कु. निवेदिता शर्मा का चयन हैदराबाद स्थित एयरफोर्स अकादमी में प्रशिक्षण के लिए हुआ है। निवेदिता बी. कॉम की नियमित छात्रा रही है। उन्होनें रायपुर से एयर एन.सी.सी. से वर्ष 2020 में सी प्रमाण-पत्र की परीक्षा 'ए' ग्रेड से उत्तीर्ण किया।

निवेदिता ने प्रथम प्रयास में ही एयर फोर्स कामन एडमिशन टेस्ट परीक्षा पास कर सर्विस सलेक्शन बोर्ड में साक्षात्कार दिया उनका अंतिम चयन वायुसेना में लेखांकन शाखा में अधिकारी के लिए हुआ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने निवेदिता की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि निवेदिता पढ़ाई के साथ ही चित्रकला में भी पारंगत है और कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत हो चुकी है। निवेदिता की इस सफलता पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी. सी. अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. ऋचा ठाकुर, तथा वाणिज्य विभाग के डॉ. ए. का. जैन, डॉ. के. एल.राठी, डॉ. विजय कुमार वासनिक ने बधाई दी है तथा इसे महाविद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया है।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फेक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , Website : www.govt.girlspgcollegedurg.com